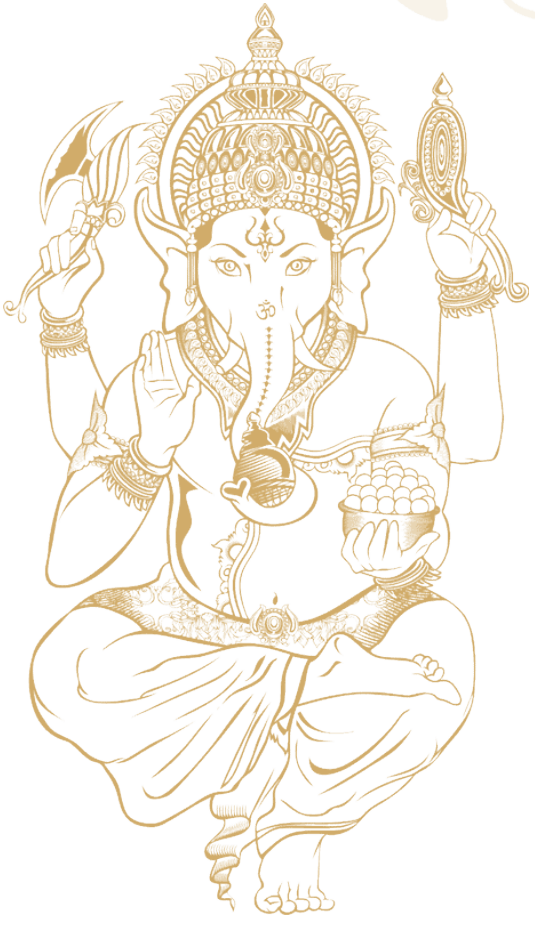

Mr.Sachin chahal

22 Jun 1999

11:03 PM

Jind

Model: web-freekundliweb

Order No: 119350304

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**22/06/1999**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**23:03:00 घंटे**
इष्ट	44:02:54 घटी
स्थान	**Jind**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	29:19:00 उत्तर
रेखांश	76:22:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:24:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	22:38:28 घंटे
वेलान्तर	-00:01:50 घंटे
साम्पातिक काल	16:40:18 घंटे
सूर्योदय	05:25:50 घंटे
सूर्यास्त	19:26:55 घंटे
दिनमान	14:01:05 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	07:01:03 मिथुन
लग्न के अंश	08:05:10 कुम्भ

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कुम्भ - शनि
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**चित्रा - 2**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	परिघ
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पो-पौरुष
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कुंभ	08:05:10	487:15:05	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	---
सूर्य			मिथु	07:01:03	00:57:14	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	सम राशि
चंद्र			कन्या	29:16:34	12:02:39	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	मित्र राशि
मंगल			तुला	02:42:22	00:13:08	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	सम राशि
बुध			कर्क	01:32:52	01:16:09	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	शत्रु राशि
गुरु			मेष	05:13:21	00:10:11	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	मंगल	मित्र राशि
शुक्र			कर्क	21:52:09	00:51:27	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	सूर्य	शत्रु राशि
शनि			मेष	19:34:50	00:06:01	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	नीच राशि
राहु	व		कर्क	20:05:04	00:03:45	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		मक	20:05:04	00:03:45	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	केतु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	22:33:10	00:01:26	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	---
नेप	व		मक	09:58:41	00:01:17	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो	व		वृश्चि	14:41:10	00:01:29	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	---
दशम भाव			वृश्चि	17:45:26	--	ज्येष्ठा	--	18	मंगल	बुध	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:47

लग्न-चलित

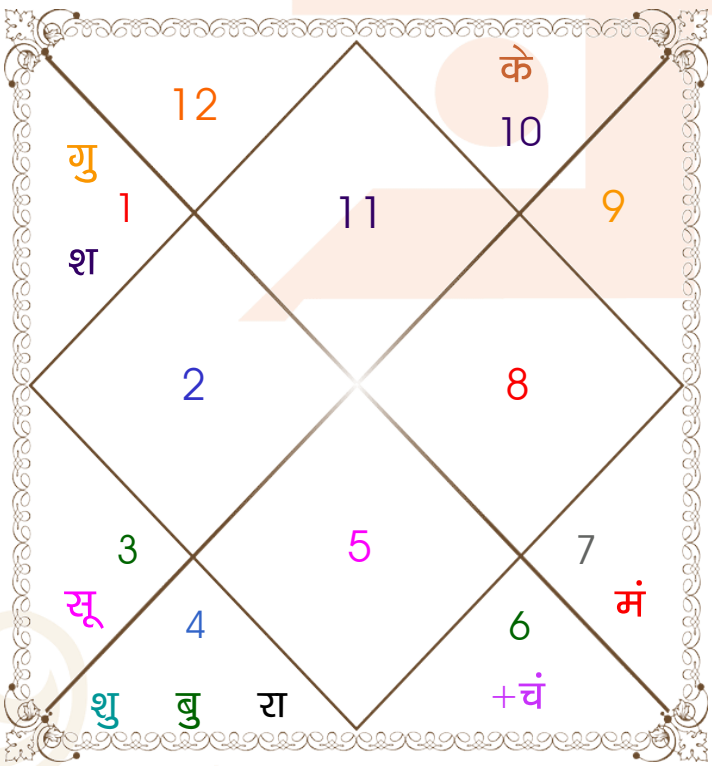

चन्द्र कुंडली

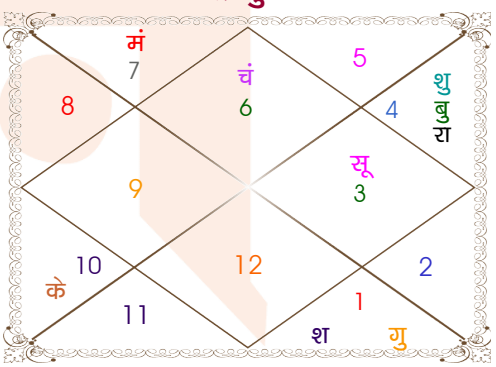

नवमांश कुंडली

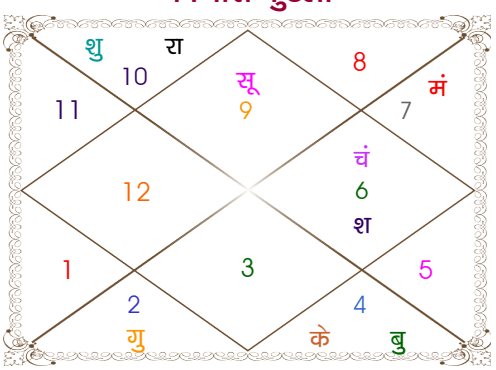

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 3 वर्ष 10 मास 17 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
22/06/1999		10/05/2003		09/05/2021		09/05/2037		09/05/2056	
10/05/2003		09/05/2021		09/05/2037		09/05/2056		09/05/2073	
	00/00/0000	राहु	20/01/2006	गुरु	27/06/2023	शनि	12/05/2040	बुध	06/10/2058
	00/00/0000	गुरु	14/06/2008	शनि	08/01/2026	बुध	20/01/2043	केतु	03/10/2059
	22/06/1999	शनि	21/04/2011	बुध	15/04/2028	केतु	29/02/2044	शुक्र	03/08/2062
शनि	08/11/1999	बुध	08/11/2013	केतु	21/03/2029	शुक्र	01/05/2047	सूर्य	09/06/2063
बुध	04/11/2000	केतु	26/11/2014	शुक्र	20/11/2031	सूर्य	11/04/2048	चंद्र	08/11/2064
केतु	03/04/2001	शुक्र	26/11/2017	सूर्य	08/09/2032	चंद्र	11/11/2049	मंगल	05/11/2065
शुक्र	03/06/2002	सूर्य	21/10/2018	चंद्र	08/01/2034	मंगल	21/12/2050	राहु	24/05/2068
सूर्य	09/10/2002	चंद्र	21/04/2020	मंगल	15/12/2034	राहु	27/10/2053	गुरु	30/08/2070
चंद्र	10/05/2003	मंगल	09/05/2021	राहु	09/05/2037	गुरु	09/05/2056	शनि	09/05/2073

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
09/05/2073		09/05/2080		10/05/2100		10/05/2106		10/05/2116	
09/05/2080		10/05/2100		10/05/2106		10/05/2116		00/00/0000	
केतु	05/10/2073	शुक्र	08/09/2083	सूर्य	27/08/2100	चंद्र	11/03/2107	मंगल	06/10/2116
शुक्र	05/12/2074	सूर्य	08/09/2084	चंद्र	26/02/2101	मंगल	10/10/2107	राहु	25/10/2117
सूर्य	12/04/2075	चंद्र	09/05/2086	मंगल	04/07/2101	राहु	10/04/2109	गुरु	30/09/2118
चंद्र	11/11/2075	मंगल	10/07/2087	राहु	29/05/2102	गुरु	10/08/2110	शनि	23/06/2119
मंगल	08/04/2076	राहु	09/07/2090	गुरु	17/03/2103	शनि	10/03/2112		00/00/0000
राहु	27/04/2077	गुरु	09/03/2093	शनि	27/02/2104	बुध	09/08/2113		00/00/0000
गुरु	03/04/2078	शनि	09/05/2096	बुध	02/01/2105	केतु	11/03/2114		00/00/0000
शनि	13/05/2079	बुध	10/03/2099	केतु	10/05/2105	शुक्र	09/11/2115		00/00/0000
बुध	09/05/2080	केतु	10/05/2100	शुक्र	10/05/2106	सूर्य	10/05/2116		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 3 वर्ष 10 मा 21 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म शतभिषा नक्षत्र के प्रथम चरण में कुंभ लग्न में हुआ था। आपके जन्म लग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर धनु राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस ज्योतिषीय समन्वित आकृति से यह दृश्य हो रहा है कि आप ईश्वरीय प्रबंधन के अनुसार धन एवं प्रसन्नता युक्त जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे। आप अकर्मण्य नहीं है। लेकिन आप जीवन के सभी कार्य पूर्ण तत्परता के साथ संपादित करेंगे।

आप विद्वान एवं अधिकार युक्त स्वच्छंद विचार से जीवन व्यतीत करेंगे। आप निश्चित रूप से अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु कठिन श्रम एवं समर्पित भाव से कार्य सिद्धि का निष्पादन करेंगे। आप श्रेष्टतम कार्य शक्ति का समुचित व्यवहार करेंगे तथा सर्वोच्च शिखर पर पहुंच जाएंगे।

यद्यपि आप वार्तालाप के क्रम में अप्रियता का प्रदर्शन करते हैं। बल्कि आप एक ईमानदार एवं विश्वसनीय प्राणी हैं तथा दूसरों को कष्ट नहीं पहुंचाते। परंतु यदि कोई आपको उतेजित कर देता हैं तो अपनी क्षमता के अनुरूप पीछे मुड़ कर उस पर आश्चर्यजनक शक्ति से प्रहार कर उसे पराजित कर देते हैं। आप मात्र अलग से आर्थिक रूप से सुदृढ़ नहीं हैं। आप अपनी शक्ति एवं प्रभाव के अनुसार प्रभावशाली स्तर के प्राणी हैं। आप बहुत अधिक आयु से युक्त अर्थात् दीर्घजीवी हैं। जब आप 28 वर्ष की आयु के हो जाएंगे तब आप अच्छी प्रकार अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर होंगे।

आप मध्यस्थता कराने वाले स्वभाव के प्राणी हैं। आप एकांत प्रियता का आनंद प्राप्त करेंगे। आप भगवान के भक्त एवं धार्मिक प्रवृति के प्राणी हैं। आप धर्म दर्शन का दिखावा के लिए रूचिवान एवं पराविज्ञान के प्रति उत्साही व्यक्ति है। इसलिए आपके लिए उपयुक्त कार्य व्यवसायों में खगोलीय कार्य, ज्योतिषीय कार्य, पराविज्ञान सांख्यिकी की कार्य एवं वायु यात्रा से संबंधित व्यवसायों की पेशा अनुकूल है।

बहुत दिनों तक आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु आपकी वृद्धावस्था में कुछ रोगो के दुष्प्रभाव से हृदय संबंधी दिक्कतें, रक्तचाप एवं कफ खांसी, जुकाम एवं जोड़ों के दर्द, गठिया, वायु रोगादि से आक्रांत हो सकते हैं। आप अपने कार्यकलाप के प्रति सतर्क रहें। क्योंकि कभी भी ऐसी घटना यथा साधारण दुर्घटना, कोई चोट-मोच अथवा अकस्मिक रूप से अंगो का कट जाना संभाव्य है। आप एक उत्तम प्रकार के सुखों से युक्त घर परिवार के स्वामी होंगे। आप अपनी जरूरत के अनुरूप जीवन-यापन के रास्ते बना लेंगे। आप भाग्यशाली तथा बुद्धिमती पत्नी के पति एवं प्रिय संतानों के पिता होंगे।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 2, 3, 7 एवं 9 अंक भाग्यशाली हैं। परंतु अंक 1, 4, 5 एवं 8 अंकों का परित्याग करना चाहिए।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन शनिवार, एवं शुक्रवार का दिन अनुकूल प्रमाणित है। आपके लिए शेष तीन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार का दिन सर्वथा

प्रतिकूल एवं अव्यवहारणीय है।

आप रंगों में नारंगी, हरा एवं नीला रंग से परहेज करें। क्योंकि ये रंग आपके लिए सर्वथा प्रतिकूल हैं। परंतु रंग सफेद, क्रीम, लाल एवं पीला रंग आपके लिए लाभदायक है।